Rule 377. Shri Harish Rawat– he is absent. Now Mr. Amarsinh Rathawa.

—

12.16 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Need to implement new programmes for afforestation in Chhota Udaipur and other parts of India.

श्री अमर सिंह राठवा (छोटा उदयपुर): अध्यक्ष जी, छोटा उदयपुर इलाके में आदिवासी व पछात वर्ग की जाति अपनी संस्कृति के मुताबिक रहती है। वे आदिवासी जातियां जंगल की जमीन पर खेती करती हैं। अत: जंगल के कर्मचारी उनसे गैर कानूनी जमीन में महसूल लेते हैं और वे आदिवासियों को जंगल की जमीन जोतने का दण्ड और वसूली दोनों आदि-

12.17. .hrs

[MR. DEPUTY SPEAKER *in the Chair*]

वासियों से लेते हैं। अत: यह जंगल की जमीन जो आदिवासी जोतते हैं, उनकी जमीन उन्हीं आदिवासियों को प्लांटेशन के लिए दी जाए और उसी प्लांटेशन करने की मजदूरी और जब तक पेड़ बड़ा न हो जाए तब तक उसी आदिवासी को हर रोज मजदूरी कुटुम्ब के हिसाब से दी जाए। इससे आदिवासियों को रोजी-रोटी भी मिलेगी और जंगल में पेड़ भी फिर से जंगल के रूप में सरकार को मिल जायेंगे।

मेरे विस्तार में आया नर्मदा डैम में जो जो जमीन किसान की मिलती है उसे भी प्लांटेशन के लिए जंगल की बिना पेड़ की जमीन दी जाए और ग्राम पंचायत परिषद को भी इसी तरह प्लांटेशन के लिए जमीन दी जाए। इस प्रोग्राम से मेरे विस्तार में ही नहीं बल्कि सारे भारतवर्ष में फिर से जंगल बन जाएगा और बजर जमीन उपजाऊ हो जाएगी। इससे वर्षा ऋतु भी नियमित आएगी और खेत की पैदाइश बढ़ेगी। इस प्रोग्राम के लिए जो जमीन दी जाए उसपर जो पेड़ बड़े होंगे उस पेड़ पर पूरा अधिकार उसी किसान का होना चाहिए जिसने अपने बंजर या जंगल की जमीन पर खुद मेहनत करके पेड़ बड़े किए हैं। इस प्रोग्राम के लिए विश्व बैंक की सहायता ली जानी चाहिए।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर): उपाध्यक्ष महोदय, मैंने अब तक तीस प्रस्ताव नियम 377 के अधीन इस हाउस में दिए हैं, लेकिन किसी पर भी कोई ठोस कार्यवाही नहीं होती है। क्या नियम 377 सिर्फ पढ़ देना ही काफी होता है। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि यह बहुत ही गम्भीर मसला है, जिसको मैं नियम 377 के अधीन उठा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी आदेश दें और तत्काल जवाब दें और इसकी छानबीन करें। यह बहुत बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : This should be noted by the Government. You had read 30 such statements under Rule 377 and you have not got any reply for all the 30 statements.

SHRI RAJNATH SONKAR SHASTRI : Only 4 or 5 replies I have received.

MR. DEPUTY-SPEAKER : For others do you want replies ?

SHRI RAJNATH SONKAR SHASTRI : I want immediate replies.

MR. DEPUTY SPEAKER : You may wait. Replies will be sent. The rules must permit for an immediate reply.

(ii) Inquiry into the Working of Diesel Engine Factory at Varanasi.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से वाराणसी में गत 30 वर्षों से कार्यरत डीजल